स्कूलों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिये **प्राथमिक शिक्षा पाठ्यक्रम में स्थानीय भाषा तथा बोलियों को शामिल करने का निर्णय** लिया है।

मुख्य बिंदु

- यह आदिवासी क्षेत्रों में [राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy- NEP) 2020](#) को लागू करने की दिशा में एक बड़ा निर्णय है।
- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षा विभाग को **18 स्थानीय भाषाओं और बोलियों में द्विभाषी पुस्तकें विकसित करने तथा वितरित करने का निर्देश दिया था,** जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
  - **व्यावसायिक शिक्षा** पर भी विशेष ज़ोर दिया गया है तथा इन क्षेत्रों में **कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ाने की योजना है।**
  - **स्थानीय बोलियों में सादी भाषा भी शामिल है, जिसे आदिवासी बहुल जशपुर ज़िले में प्राथमिक शिक्षा** के लिये शुरू किया जा सकता है।
- **NEP 2020 में त्रि-भाषा सूत्र** यह अनिवार्य करता है कि **भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिये**- जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिये, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल हो, और तीसरी अंग्रेज़ी हो।
  - **इसका उद्देश्य** छात्रों को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं से परिचित कराकर **राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करना** तथा भाषायी विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है।
  - इसका **उद्देश्य** छात्रों को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं से परिचित कराकर **राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करना** तथा भाषायी विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है।
- **रायपुर में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में** बच्चों को स्कूलों में दाखिला लेने हेतु प्रोत्साहित करने के लिये **शाला प्रवेशोत्सव मनाया जाता है।**
  - छत्तीसगढ़ के सुदूर आदिवासी ज़िले **जशपुर के बगिया गाँव** में राज्य स्तरीय **शाला प्रवेशोत्सव वर्ष 2024 का उद्घाटन किया गया।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020** का उद्देश्य भारत की उभरती विकास आवश्यकताओं से निपटना है।
- इसमें **शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव,** इसके **नियमन और प्रबंधन** सहित, एक आधुनिक प्रणाली स्थापित करने का आह्वान किया गया है, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं मूल्यों का सम्मान करते हुए [सतत विकास लक्ष्य 4 (SDG4)](#) सहित 21वीं सदी के शैक्षिक लक्ष्यों के साथ संरेखित हो।
- इसने **वर्ष 1992 में संशोधित** चौंतीस वर्ष [पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 (NPE 1986/92)](#) का स्थान लिया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-to-promote-local-languages-in-schools